VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Bhanu Pratap Singh		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	440668
Center	Online	Date 8/09/2023	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

2088

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

कई बार हमारा एक नैतिक निर्णय दूसरा अनैतिक परिणाम देता है। इसमें अधिकतम का अधिकतम सुख (उपयोगितावाद) तथा सार्वजनिक हित की प्राप्ति हेतु एक दूसरे अनैतिक प्रभाव को स्वीकारा जाता है।

थ: महाभारत के युद्ध में (धर्मसंस्थापनार्थाय) विभिन्न लोगों की मृत्यु हुयी। तो हुयी मृत्युओं के पाप को बड़े नैतिक की प्राप्ति हेतु स्वीकारा गया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसी तरह 1971 में भारत द्वारा बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेना → विभिन्न सैनिक शहीद पर बांग्लादेश मुक्त।

ऐसे कृत्यों की सीमा :

1. कुछ बड़ा पाने के लिए कुछ खोने की भावना तक सीमित।

2. त्याग, बलिदान की उपेक्षा। जैसे: विकास की प्राप्ति हेतु पर्यावरण की उपेक्षा।

3. सार्वभौमिक नैतिकता के विरुद्ध। 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांत के विरुद्ध

वस्तुतः कठिन नैतिक स्थितियों में अधिकतम का सुख, सर्वोदय (गांधी जी) तथा सार्वजनिक महत्व को प्राथमिकता देने में महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलक्षित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words) 10

अशोक ने कलिंग युद्ध के पश्चात युद्ध न करने तथा 'धम्म' प्रचार को चुना जिससे समानता, प्रेम, बंधुत्व, मानवता के सार्वभौम विचारों को समाज में विकसित किया जा सके।

सारनाथ अशोक सिंह शीर्ष

- शक्ति व समृद्धि का प्रतीक।
- संप्रभुता समानता, स्वतन्त्रता का प्रतीक

ऐसी ही विभिन्न मूल्य व शिक्षाएँ अशोक के जीवन से परिलक्षित होती है। जैसे

① अशोक का 7वाँ स्तंभ लेख कहता है-

" अपरिग्रहे अद्वुकापने दया दाने सच्चे शोच्चे माच्चे अच्चे च" अर्थात

↓ अच्छे विचार तथा सम्यक सोच वास्तविक धर्म है

↓ दया दान तथा त्याग

↓ आपसी भाईचारा व प्रेम है

② अहिंसा व शांति की सीख - वर्तमान में युद्धों तथा सैन्य तनावों में प्रासंगिक

③ सहिष्णुता - सर्वधर्मसमभाव की नीति
↳ वर्तमान बुद्धिज्म आदि में प्रासंगिकता

④ शांतिपूर्ण सहअस्तित्व व वसुधैवकुटुम्बकम का भाव (पुद्गल मानने की नीति) - वर्तमान में वैश्विक समृद्धि, शांति, जलवायु परिवर्तन में प्रासंगिक

⑤ करुणा का मूल्य - वर्तमान में वंचित वर्गों के विकास, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर।

प्रकार: राजकीय चिन्ह के साथ ही हमें अशोक के मूल्य को आत्मसात करने की आवश्यकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words) 10

करुणा संबंधी यह 'दलाई लामा' का कथन लोक सेवा में अत्यंत प्रासंगिक है।

करुणा	सहिष्णुता
करुणा सभी के प्रति स्थायी समानुभूति, प्रेम सहानुभूति तथा आंतरिक खुशी का भाव है जो कर्तव्य की प्रेरणा तथा प्रेम का भाव देता है। Eg: बुद्ध का जीवन, महात्मा गांधी	यह विरोधाभास, वैचारिक भिन्नता, धर्म, रंग, नृजातीयता इत्यादि के विरोध के बावजूद परस्पर सम्मान, सहयोग व समानता के भाव की स्थिति है। Eg: अंबेडकर व गांधी जी में मतभेद के बावजूद ऐसा सहिष्णुता थी

वस्तुतः इन दोनों मूल्यों के बिना मानवता का अस्तित्व संभव नहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकसेवक के काम-काज में इनका लाभ

(1) साधन व साध्य में प्राथमिकता निर्धारण में
eg: फाइल वर्क को महत्व या जनता को योजना का लाभ देने का महत्व।

(2) दबाव के बावजूद आंतरिक प्रेरणा बनाए रखने में
eg: दबाव के बावजूद भीलवाड़ा में कोविड का सफल मॉडल।

(3) विरोधाभासों के बावजूद लोकसेवा के साथ न्याय करने में eg: राजनीतिक दबाव, पीड़ित दबाव
↳ IFS सर्विस - दुश्मन देशों के सिविल सेवकों के साथ वार्ताओं में

(4) आपदा में महत्व → करुणा → मानव के साथ जीवों का बचाव
↳ सहिष्णुता → अपने से भिन्न पहचान वाले का बचाव eg: मिशन गंगा में पाकिस्तानी नागरिकों को लाना।

(5) वस्तुत: करुणा व सहिष्णुता लोक सेवक को 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का मूल्य सिखा कर वास्तविक 'कर्मयोगी' व सर्वोदयकांक्षी बनाती है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वत: जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

जवाबदेही लोगों हितधारकों के प्रति उत्तरदायी होने की स्थिति है जबकि पारदर्शिता खुलापन, स्पष्टता व सूचना उपलब्धता की स्थिती है।

जवाबदेही हेतु पारदर्शिता की अनिवार्यता

- पारदर्शी कार्यप्रणाली स्वत: जवाबदेही का एक प्रभाव।
- पारदर्शिता से सूचना, कार्यप्रणाली की स्पष्टता → जवाबदेही निर्धारण आधार।

किंतु पारदर्शिता जवाबदेही की गारंटी नहीं

(1) जवाबदेही कार्य के परिणामों के प्रति होती है।
eg: संसदीय कार्यों में पारदर्शिता पर सरकार की जवाबदेही वस्तुत: जनता तय करती

(2) जवाबदेही अपवर्ड डाउनवर्ड संभव जबकि पारदर्शिता मात्र खुलापन है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पारदर्शिता को जवाबदेहिता की ओर ले जाने वाली

परिस्थितियाँ

① जब सूचना जनता तक स्वतः उपलब्ध हो। eg: दागी नेताओं की सूचना का समाचार पत्र में प्रकाशन।

② जब पारदर्शिता संस्थागत व्यवस्थाओं से त्रस्त हो। eg: मनरेगा में सोशल ऑडिट अप्रभावी।

③ दुर्गम पारदर्शिता व अप्रभावी कार्यान्वयन eg: लोकसेवकों की कार्यप्रणाली।

पारदर्शिता जब जवाबदेह बनाती है

① जब प्रोएक्टिव कदम के रूप में; eg: ओडिशा HC द्वारा स्वयं वार्षिक निष्पादन रिपोर्ट जारी करना

② जन जागरूकता से eg: SC द्वारा अपने निर्णयों को पोर्टल में डालना।

③ दायित्व के रूप में आए। eg: RTI एक्ट-2005

वस्तुतः जवाबदेही लोगों की जागरूकता, प्रोएक्टिव पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता से आती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

प्रतिष्ठा वस्तुतः सापेक्षिक, सीमित होती है यथा: किसी की प्रतिष्ठा केवल एक गांव, शहर में एक नेता, अच्छे व्यक्ति के रूप में हो सकती है। वस्तुतः प्रतिष्ठा धन, कौशल या परंपरागत पहचान से जुड़ी हो सकती है (यथा: किसी रजवाड़े का राजकुमार)

किंतु महानता स्वयं अर्जित होती है और वह जनसेवा, प्रेम, न्याय, सहिष्णुता, करुणा, निष्पक्षता आदि मूल्यों से आती है। जैसे महात्मा गांधी की महानता, राजा राममोहन राय की महानता जनसेवा, समाज सेवा से आती है। ऐसे ही अशोक, अनवर की

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की महानता उनके सहिष्णुतावादी, समतावादी मूल्यों, मानवता से प्रेम से आती है।

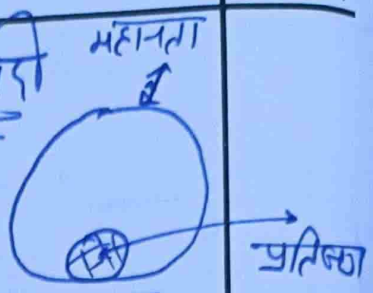

हालांकि महानता प्राप्ति के अन्य मार्ग भी है।

जैसे महान वैज्ञानिक (आइंस्टीन, न्यूटन)
महान लेखक (कालिदास, प्रेमचंद, मार्याप धुकन)
महान विचारक (चाणक्य, शंकराचार्य)
महान राजा (अशोक, महाराणा प्रताप)

तब भी हम देखते है कि इन सब की महानता अंततः इस रूप में आती है कि इन्होंने प्रतिष्ठा प्राप्ति की इच्छा से दूर केवल जनता, समाज की सेवा, मर्यादा, प्रेम, बंधुत्व बांटने में लोगों के उद्धार में अपना जीवन लगा दिया। स्वयं डा. अंबेडकर इसके उदाहरण है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150words) 10

मानवता, मानवीय प्रेम सहिष्णुता के संबंध में कोफी अन्नान का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है वस्तुतः चाहे बुद्ध का 'सर्वधर्म समभाव' व 'सातत्य सिद्धांत' का मूल्य हो या जैनों का 'स्याद्वाद' चाहे वाल्मीकि का 'परहितो पुण्याय, पापाय परपीडनम्' की सीख हो या संस्कृत ग्रंथो की 'वसुधैव कुटुम्बकम' व 'माता भूमि - अहं पुत्रो पृथिव्याः' का कथन हो यह सभी हम सब एकता का ही गुण सिखाते हैं।

वस्तुतः 'तमिल कवि कनियन' का कथन भी ('यादुम ऊरे यावरुम केलीर') (अर्थात सभी अपने हैं)।

कहना है या स्वामियों का 'तमिलपद-नि-कल्द' की सीख, मानव की 'मानव नाम चढ़ती कला तेरे भाड़े सरबत दा भला' कहना मानवता को रोच करने में लाया जाने की शिक्षा है ये सभी जाति, लिंग, देश, नृजातीयता, धर्म, निवास से उपर उठ मानव की प्रतिष्ठा करती है।

G-20 की थीम one earth, one family, one future इसी से प्रेरित है भारत का LiFE मिशन भी इसी पर आधारित है और WHO की one health एप्रोच भी। भारत के संविधान की अनु० 14, 15, 17, 25-28 हो या 5th, 6th अनुसूची के अधिकार, चाहे UN के मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा हमें बताती है कि हम केवल एक मानव जाति हैं।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values." William Ralph Inge (Answer in 150 words) 10

विलियम राल्फ मूल्यपरक शिक्षा का ज्ञान को उसी प्रकार महत्व बता रहे जिस प्रकार विवेकानन्द जी कहते हैं- "हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली चाहिए जो मूल्यों से युक्त अच्छे नागरिक उत्पन्न करे नकि ऐसी जो सिर्फ एक उत्पादक व कुशल मनुष्य तैयार करे।

मूल्य परक शिक्षा क्या है

(1) जिसमें लोकतान्त्रिक मूल्य हों → समानता → स्वतन्त्रता → बन्धुत्व → एकता की भावना

(2) प्रकृति हमारी जीवनदायनी है का मूल्य।

(3) वसुधैव कुटुम्बकम का मूल्य।

(4) गीता का कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन तथा महात्मा गांधी का 'सर्वोदय' तथा ट्रस्टीशिप।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का मूल्य, अंबेडकर का 'समतावादी मूल्य'
बुद्ध की करुणा तथा त्याग भावना हो जैनों की
अहिंसावादी मूल्यपरक शिक्षा ही।

यदि मूल्यपरक शिक्षा न हो तो: ज्ञान से ज्ञान पर मूल्य नहीं

(1) यह ज्ञान से मुक्त मानवीय रोबोट बनाती है।
(2) यह ओसामा जैसे लोगों को जन्म देती है।
(3) यह शिक्षा को हथियार (मानवता के विनाश) बनाती है।
(4) यह विकास को प्रकृति से अधिक महत्व देना जलवायु परिवर्तन, 6th mass extinction लाती है तथा पूरी मानवता को परमाणु खतरे से भयभीत करती है।

अतः मूल्यपरक शिक्षा ही मानवीय शाश्वतता व मनुष्य को मनुष्य बनाती है अन्यथा बिना मूल्य मनुष्य मात्र जानवर है।

4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words) 10

नैतिक कार्पोरेट गवर्नेंस सभी हितधारकों को ध्यान में रख, लाभ, प्रकृति, लोक नैतिकता तथा मानवीय दायित्वों के साथ कार्पोरेट कार्यों का संचालन करती है यह समतावादी सिद्धांतों यथा नैतिक प्रतिस्पर्धा, उचित मूल्य निर्धारण, पारदर्शिता व उत्तरदायित्व सहित समता के अनुसार चलती है

नैतिक कार्पोरेट गवर्नेंस →

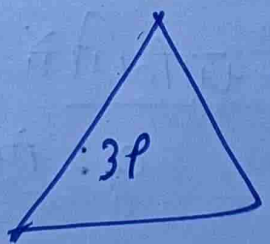

नैतिक कार्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने के मुख्य मूल्य

① नैतिकता सहित व्यापार (महात्मा गांधी की न्यासी अवधारणा)

② उचित क्वालिटी मानदंडों का पालन
यथा: क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया व FSSAI के मानदंडों को।

③ गैर-नैतिक प्रतिस्पर्धा से दूर यथा: कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) के मानदंडों को मानना।

④ ग्राहकों के प्रति पूर्ण उत्तरदायित्व की अवधारणा रखना यथा: टाटा ग्रुप की कार्यप्रणाली।

⑤ विज्ञापन नियमन के प्रावधान तथा जनता के प्रति दायित्व व पूर्ण प्रतिबद्धता की अवधारणा बनाए रखना।

⑥ लाभ व क्वालिटी में संतुलन रखना
यथा: मिलावटी सामग्री (मैगी केस)

समग्रतः नैतिक कार्पोरेट गवर्नेंस लाभ व जन दायित्व तथा ग्राहक भगवान है की अवधारणा सहित प्रकृति के प्रति दायित्वशील व कानूनों के प्रति प्रतिबद्ध होगी।

2088

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words) 10

खराब कार्य परिवेश में सुरक्षा मानदण्डों का ध्यान न रखना, लैंगिक शोषण, अन्य सुविधाएँ (eg क्रेच सुविधा न होना), टीम वर्क का अभाव, प्रेरणा व प्रोत्साहन की कमी आदि आते हैं।

अतिरिक्त श्रम में मूल श्रम के साथ ही बाध्यकारी दायित्व (eg: शिक्षकों की चुनावी ड्यूटी) / बाध्यकारी श्रम (eg: ठेकेदार द्वारा बंधुआ मजदूरी कराना) इत्यादि, अधिक कार्य घण्टे, उपयुक्त छुट्टियाँ न देना, मातृत्व लाभ न देना आदि आते हैं।

इसलिए सरकार, व कॉर्पोरेट क्षेत्र को उचित नीति निर्माण की आवश्यकता है। जिसमें निम्न

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक मुद्दों को ध्यान में रखना चाहिए

① मनुष्य हमेशा साध्य है वह साधन नहीं हो सकता (काण्ट)
- अनिच्छुक कार्य न करना पड़े
- दबावपूर्वक कार्य न दिया जाए।

② पितृसत्तात्मकता से प्रेरित कार्य वातावरण न हो।
यथा: महिला शौचालय, लैंगिक सुरक्षा

③ नीतियाँ लिंग तटस्थ हों यथा: कार्यस्थल पर लैंगिक शोषण कानून 2013 में पुरुष व LGBTQ+ पर ध्यान नहीं।

④ मानवीय कार्य परिस्थितियाँ: यथा: 9 घंटे अधिक घण्टे न हो, सुरक्षोपाय का उपयुक्त कार्यावरण हो

⑤ उपयुक्त शिकायत निवारण व्यवस्था कानूनी विधि व क्रियान्वयन हो।

उपसंहार: कार्पोरेट, सरकार व लोगों की सम्मिलित भागीदारी से नैतिक, प्रेरित व लाभोन्मुख, मानवतापूर्ण उपयुक्त कार्य/श्रम वातावरण तैयार किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

डैनियल गोलमैन के अनुसार " भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) वस्तुतः अपनी भावनों को समझने, प्रबंधन करने तथा दूसरों की भावनाएँ समझने, प्रभावित करने उन्हे परिवर्तित करने की क्षमता है।

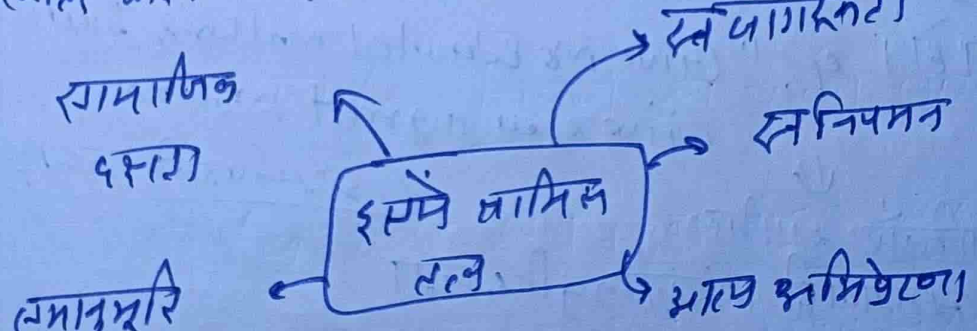

किंतु परस्पर जुड़ी हुयी दुनिया में व्यक्ति मात्र भावनात्मक बुद्धिमत्ता से ही नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हो सकता क्योंकि

① सूचना विस्फोट → नेतृत्वकर्ता समन्वय कार्य जटिल।

(2) परस्परपुष्टि क्षमता (विविध भाषाएँ, मान्यताएँ, धर्म, नृजातियाँ, इत्यादि → ज्ञान की कमी → नेतृत्व मुश्किल

इसलिए सांस्कृतिक दृष्टि की आवश्यकता है।

जिसमें (1) समतावादी नेतृत्व सम्भव हो
ए: महात्मा गांधी का अहिंसा मूल्य

(2) सम्पूर्ण मानवता को धारण करने वाली सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता! ए: सर्वधर्म समभाव व वसुधैव कुटुम्बकम की दृष्टि।

(3) आधुनिक सांस्कृतिक दृष्टि जिसमें भविष्योन्मुख लक्ष्य हो। ए: "Give me Educated mothers I will give you a great Nation"
(डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन)
⇓
महिलाएँ शामिल
समतावादी सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता

वस्तुतः वर्तमान नेतृत्वकर्ता को भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ लोकतांत्रिक मानवतावादी मूल्यों, बुद्ध की करुणा, महावीर के अपरिग्रहवाद, कबीर की कर्तव्य अवधारणा, 'विविधता में एकता', प्रकृतिप्रेम, बहुभाषायी प्रेम जैसे सांस्कृतिक-बुद्धिमत्ता के तत्वों को रूप में विकसित करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

शुचिता वस्तुतः उत्तरदायित्व, सत्यनिष्ठा, मूल्यपरकता तथा दायित्वशीलता का एक गुण है जिसमें व्यक्ति स्वहित त्याग कर 'स्वधर्म' को मनवचन कर्म में अपनाता है eg: T.N. शेषन जी की शुचिता से ECI की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुयी

अभिशासन में शुचिता का महत्व

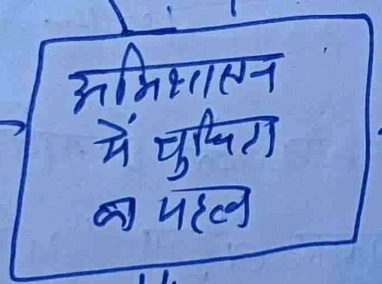

- लोगों के धन का प्रभावी व सक्षम प्रयोग।
- लोककल्याण में वृद्धि होगी। eg. DBT द्वारा सीधा लाभ।
- महात्मा गांधी के सर्वोदय तथा विवेकानन्द के दरिद्रनारायण के उद्धार में महत्वपूर्ण।
- क्रोनी कैपिटलिज्म (वोहरा समिति) तथा भ्रष्टाचार की संस्कृति में कमी आयेगी (eg: CP ग्राम - प्रभावी शिकायत निवारण)
- समग्र प्रशासन में जनता का बढ़ा हुआ विश्वास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोक शासन में शुचिता बढ़ाने में नेतृत्व की भूमिका

① अधोगामी प्रभाव : eg: नेतृत्वकर्ता इमानदार कर्मठ (Eg: M. विश्वेश्वरैया) तो सभी सहयोगी भी इमानदारी बरतते हैं।

② टीम भावना व कर्मठता विकसित करने में मददगार eg: महात्मा गांधी का शुचिता पूर्ण नेतृत्व।

③ हानि/चुनौती में पूरे प्रशासन का सहयोग मिलता है eg. अब्दुल कलाम सर का नेतृत्व गुण।

④ नेतृत्व यदि उत्तरदायी व पारदर्शिता के साथ शुचिता अपनाए तो सम्पूर्ण प्रशासन पर इसका प्रभाव पड़ता है eg: आर्मस्ट्रांग पेम द्वारा 100 km सड़क निर्माण

समाहार: नेतृत्वकर्ता पूरे सिस्टम को प्रभावित करता है। यदि वह भ्रष्ट है तो भ्रष्टाचार बढ़ेगा। यदि वह इमानदार, सत्यनिष्ठ व जनसेवा उन्मुख है तो वही प्रणाली पूरे विभाग में बढ़ेगी। eg: भारतीय सेना की इमानदारपूर्ण नेतृत्व

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

हमारी नैतिक अभिवृत्ति हमारी परवरिश, शिक्षा, पारिवारिक माहौल, सामाजिक मूल्यों इत्यादि से बनती है। जैसे शाकाहार, मांसाहार के प्रति, पितृसत्तात्मकता व महिला समानता के प्रति।

इसी तरह वैवाहिक बलात्कार के प्रति देश में दो प्रकार की धारणाएं व अनुक्रियाएँ मिलती हैं

सकारात्मक नैतिक अभिवृत्ति ⇓ प्रगतिशील व समानता वादी	नकारात्मक नैतिक अभिवृत्ति ⇓ रूढ़िवादी - परंपरागत पितृसत्तात्मक सोच वाले
① वैवाहिक बलात्कार - इच्छा व निर्णय की स्वतन्त्रता के विरुद्ध।	① वैवाहिक बलात्कार नैतिक - पति का हक है महिला पर।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) प्रत्येक व्यक्ति को उसके शारीरिक स्वतन्त्रता का अधिकार।	(2) परिवार के परस्पर दमन, पारपीट आपदा, पति को अनुमति की आवश्यकता नहीं।
(3) वैवाहिक बलात्कार को अवैध बनाया जाए ⇓ महिलाएं सुरक्षा सुनिश्चित होगी	(4) - वैवाहिक अवैध बनाने से परम्परागत मूल्यों के विरुद्ध महिलाएँ पति के इच्छा के साथ रहनी चाहिए

वैवाहिक बलात्कार अपराध घोषित करने में नैतिक मुद्दे

(1) लिंग तटस्थता की समस्या - इच्छा के विरुद्ध कोई भी हो सकता।

(2) व्यक्तिगत जीवन, निजता के उल्लंघन का मुद्दा
1. अदालत के मामला → सांस्कृतिक दृष्टि को नुकसान।

(3) परंपरागत पारिवारिक ढाँचा
↳ भारत में परिवार व विवाह अत्यधिक प्रतिष्ठित संस्था

वस्तुतः विस्तृत वार्ता, हितधारकों में चर्चा आदि करके इस मुद्दे को हल करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।
Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

नैतिकता वस्तुतः जैनों के स्यादवाद के अनुसार चलती है। जैसे एक दक्षिण भारतीय परिवार में मछली सांस्कृतिक भोजन है, उत्तर भारत में नहीं।

इसलिए नैतिक चेतना अर्थात - आंतरिक समझ से नैतिकता, मानवता, करुणा, प्रेम, एकता, समानता के भाव के साथ विवेक अर्थात तार्किकता व विश्लेषणात्मक बुद्धि, तर्क-वितर्क व वस्तुनिष्ठ समझ भी आवश्यक है क्योंकि नैतिक निर्णय वस्तुतः उसके माध्यम व परिणाम, समाज के प्रभाव आपकी अंतरात्मा की शुद्धता के आधार पर नैतिक अनैतिक हो सकता है। जैसे

① एक आतंकी - अपने अनुसार नैतिक कार्य कर रहा होता है पर वस्तुतः वह चेतना व विवेक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का प्रयोग नहीं करता → परिवार समाज को हानि।

(2) जबकि एक सैनिक देश की रक्षा में दुश्मन देश के सैनिकों की हत्या करता है पर चेतना व विवेक के कारण उसका कृत्य नैतिक होता है।

(3) पारिवारिक जिम्मेदारी नैतिक कार्य है पर जिम्मेदारी भ्रष्टाचार की कमाई से पारिवारिक जिम्मेदारी निभाना चेतना व विवेक के विरुद्ध।

वस्तुतः चेतना व विवेक हमें जाति, लिंग, नृजातीयता, भाषा, तथ्यों से ऊपर उठाकर एक सार्वभौमिक नैतिक अंतरात्मा व प्रेरणा देते है जैसे,

बुद्ध के करुणा का मूल्य, गांधी जी का सत्य अहिंसा का, राजा राममोहन राय का समाजसुधार का तथा जनजातीय समुदायों का प्रेम का मूल्य।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नांशों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वत: मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?

(c) आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?

(c) Critically examine whether law can be effective in bringing about social change. 20

यह मामला मानवाधिकारों, समानता, समता का अधिकार सहित प्राकृतिक न्याय व सामाजिक दृष्टिकोण इत्यादि पहलुओं की व्यापक समीक्षा की मांग करता है।

समलैंगिक विवाहों संबंधी कई मामले उच्चतम न्यायालय में लाए गए हैं। उपरोक्त केस स्टडी भी इसी पहलू पर केन्द्रित करती है।

द्विधात्मक
- भारतीय समाज तथा वैश्विक समाज
- संविधान अनु० - 14, 21
- सम्पूर्ण LGBTIQ+ समुदाय
- में न्यायालय व भारतीय सरकार
- समानता व प्राकृतिक न्याय का मानवीय अधिकार

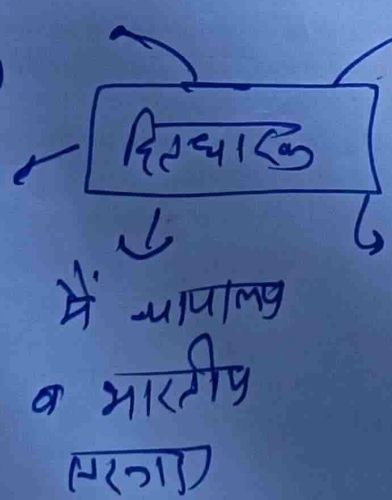

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) शामिल नैतिक मुद्दे

(i) LGBTQ+ समुदाय को सामान्य नागरिक जैसे अधिकार नहीं (eg: विवाह, बच्चे का)

(ii) सामाजिक नैतिकता का मुद्दा जहाँ व्यक्ति से ज्यादा उसका लिंग उसकी स्थिति निर्धारित करेगा।

(iii) लोकतांत्रिक व आधुनिक राज्य के रूप में सरकार व न्यायालय की सीमाएँ।
↳ LGBTQ+ को अधिकार देने में अनिच्छा

(iv) LGBTQ+ समुदाय की सामाजिक अलगाव → पीड़ा, मानसिक यातना

(v) मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा 1948, तथा संवैधानिक अधिकारों के विरुद्ध → समुदाय को समान अधिकार न देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ मेरा दृष्टिकोण : हां राज्य को समलैंगिक विवाह को मान्यता देनी चाहिए

किंतु निम्न पहलुओं पर विचार के पश्चात

① क्या समाज इसके लिए तैयार है।

② कानूनी प्रावधानों, सुविधाओं में आवश्यक परिवर्तन तथा प्रभावों की व्यापक तरह समीक्षा हो।

③ न्यायिक पहलुओं – यथा समलैंगिकता की व्यापक परिभाषा इत्यादि पर विचार।

④ चिकित्सीय पर्यवेक्षण – LGBTIQ+ व्यापक समुदाय है।

- संतानोत्पत्ति के स्वास्थ्यगत पहलू
- गोद लेने में आने वाली समस्याएं

(B) सामाजिक परिवर्तन में कानून लाने का प्रभाव

संभावित सकारात्मक परिवर्तन

1. वस्तुतः कईबार पहले कानून बनता है बाद में समाज उसके अनुसार बदलता - उदा: SC/ST act (1989), मैनुअल स्कैवेंजिंग कानून 2013
   - IPC 377 का निरपराधीकरण
2. कानूनीवैधता के पश्चात समाज धीरे धीरे LGBTQI+ समुदाय को धीरे-धीरे स्वयं में समाहित करेगा

संभावित नकारात्मक परिवर्तन

1. परिवर्तन विरोधी/रूढ़िवादी तत्व समुदाय के विरुद्ध आक्रामक हो सकते
   ⇓
   हिंसा विरोधबढ़ सकता।
2. अधिकारों में समता से परंपरागत सामाजिक ढाँचा बिखर सकता।
3. विवाह संस्था जो कि भारत में अत्यधिक पवित्र है बिखर सकती

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।

(c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

(a) What are the options available with Lloyd to deal with the situation?

(b) Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.

(c) What measures would you suggest to prevent deaths in police custody 20

यह केस स्टडी एक पुलिस अधिकारी के रूप में लॉयड की ईमानदारी, न्यायनिष्ठा, स्पष्ट पक्ष-धरता तथा निर्णय कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ पारिवारिक दायित्व व पेशेवर दायित्व में संतुलन सहित दूरदर्शिता व पेशेवर नैतिकता व समक्ष जैसे मानसिक व नैतिक क्षमताओं की परीक्षा ले रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हिंसात्मक
→ लॉमड व जीवन।
→ पुलिस प्रणाली
→ नेता तथा अपराधी।
→ सम्पूर्ण कानून व्यवस्था बाधित

उ० A, B — उपलब्ध विकल्प → आलोचनात्मक मूल्यांकन

विकल्प-1 ! अधिकारियों की बात मान ले, रिपोर्ट से नेता का नाम वापस ले, ले

पक्ष	
① राजधानी में प्रमाणित जोखिम	① अंतरात्मा का दबाव।
② नेताओं की दृष्टि में नाम।	② पेशेवर दायित्व
③ शांतिपूर्ण जीवन, SIT जाँच से छुटकारा	③ कर्म बिना खुशी जाए है (महात्मा गांधी)
	④ स्वधर्म, स्वकर्तव्य से विमुखता → भ्रष्टाचार का प्रथम कदम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प-2: नेता का नाम वापस ने ले

पक्ष	विपक्ष
① निष्पक्ष जाँच में सहयोग लॉयड का पेशेवर कर्तव्य।	① राजनेताओं द्वारा लॉयड को क्षति पहुँचाने का खतरा ⇓ जाँच, भ्रष्टाचार के आरोप, खराब पोस्टिंग, SIT रिपोर्ट में परिवर्तन का खतरा।
② नेता-अपराध गठजोड़ बाहर आना आवश्यक।	② बेटी, पत्नी को समस्याएं, खराब पोस्टिंग
③ अपराधी की हत्या हुयी- भले वो अपराधी पर न्याय तो मिलना ही चाहिए	

विकल्प-3: लॉयड का मेरी सलाह

↳ निष्पक्ष जाँच में सहयोग पूर्ण करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2088

VISION IAS™

(ii) आंतरिक प्रेरणा व चौथे नागरिक बनना, न्याय की राह चलना (यथा: आसाराम को सजा कराने में केवल एक वकील की दृढ़ता (एक बंदा काफी है फिल्म) काम आयी)

(iii) सर्विस में चुनौतियाँ आती हैं।
⇓
चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहना। ईमानदार व सत्यनिष्ठ बरकरार रहेगी।

(iv) दबाव पूर्ण स्थिति में
↳ न्यायालय में सीधे रिपोर्ट दाखिल करना।
↳ अपने सहयोगी नागरिकों से सहयोग लेना
↳ संबंधित थाना (जिसकी सुरक्षा में अपराधी की हत्या हुयी) उसकी निष्पक्ष जाँच में सहयोग करना

समग्रत: तौमस को दृढ़ता व न्याय के पक्ष में खड़े रहना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उ: हिरासत में मृत्यु के सुरक्षोपाय

① व्यापक कानून निर्माण
- ↳ SOP निर्माण,
- ↳ दायित्व निर्धारण,
- ↳ सुरक्षा स्तर निर्धारण
- ↳ अधिकारियों के जवाबदेही निर्धारण

② बड़े अपराधियों (संभावित हमला या खतरा वाले) की ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था करना।

③ मजबूत सुरक्षात्मक ढाँचा (ex: तकनीकि, ड्रोन सर्विलांस, सेंसर प्रणालियों का प्रयोग करना)

अतः कानूनी बैकअप, अधिकारियों का दायित्व निर्धारण, न्यायिक प्रणाली में सुधार इत्यादि प्रयास करने चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन की पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्रायः गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त परिस्थितयों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(d) राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

(a) Identify the ethical issues associated with the case above.

(b) Under the given conditions, what are the options available to Raj?

(c) Critically evaluate each of these options.

(d) What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

यह मामला राज के समक्ष समानुभूति, पेशेवर नैतिकता बनाम सार्वजनिक शुभ, कार्पोरेट नैतिकता बनाम ग्राहकों के प्रति नैतिक दायित्व, अवैध कार्य प्रणाली बनाम कानून उल्लंघन जैसे तमाम पहलुवों पर आत्ममंथन प्रस्तुत करती है।

(A) **शामिल नैतिक मुद्दे**

(i) एडटेक कंपनियों की गैर नैतिक उत्पाद विक्रय प्रणाली।

(ii) गरीब माता पिता → बच्चों की शिक्षा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का दायित्व व सपने → ट्रेडेड कंपनियों द्वारा उनकी भावनाओं का स्वार्थपूर्ण दोहन।

(iii) कार्पोरेट नैतिकता का उल्लंघन
↳ ग्राहकों का शोषण।
↳ अनैतिक कार्य प्रणाली।

(iv) सम्पूर्ण शैक्षिणिक वातावरण के लिए
खतरनाक सिस्टम → संदेह कार्यप्रणाली
⇓
क्यों कोई ⇐ मार्केट पर कब्जा
⇓
एकाधिकार ⇒ मनमानी

(v) कानूनी उल्लंघन (SC- शिक्षा विशुद्ध व्यावसायिक कार्य नहीं (स्कूलों की सोसायटी वाद-2013)

उ० BCD! राज्य के विकल्प व आलोचनात्मक मूल्यांकन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) चुपचाप - अपना कार्य करता रहे

पक्ष	विपक्ष
(i) नौकरी बची रहेगी	(1) स्वयं गरीबी में पढ़ाई छोड़ी - समानुभूति के विरुद्ध।
(ii) स्वयं शर्त से ↓ टेस्ली दृष्टिकोण।	(2) बच्चे भारत का भविष्य ↓ रुटेड शोषण → गरीब माता-पिता ↓ बच्चों पर दबाव
(3) कंपनी का लाभ बढ़ाना इसका दायित्व।	(3) वह उसके सामाजिक नैतिक दायित्वों के विरुद्ध।
	(4) बिना नैतिकता व्यापार पाप है (गांधीजी)

2. वह यह नौकरी छोड़कर चला जाए और दूसरी नौकरी देख ले

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

पक्ष	विपक्ष
① अंतरात्मा के संघर्ष से बच जाएगा।	① अधिकारों का अतिक्रमण हुए देखना - नैतिक पतन
② दूसरे के अनैतिक कार्य रोकूंगा।	② स्वतंत्र निर्णय करना।
③ अपनी जीविका पर ध्यान दे	③ कानूनी पहलुओं को निभाया जाए

राज्य की कार्यवाही → बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार

① RTE - 2009

② QCI, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम -2019 के कानूनी पहलू = अतः एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना

↳ शिक्षा मंत्रालय में भेजना, उपभोक्ता संरक्षण ट्रिब्यूनल में वाद दायर करना।

↳ रिपोर्ट की कॉपी - मीडिया में देना, केन्द्र व राज्य सरकारों को देना।

↳ नौकरी जाए तो - राज्य मेहनती व दृढ़ निश्चयी है वह अपनी आजीविका चला लेगा

↳ इसलिए वे सामाजिक प्रतिष्ठा → आसानी से अच्छी नौकरी मिल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है।
पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।
हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।
इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.
The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.
The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.
Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

(a) What are the ethical dilemmas involved in the case?

(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.

(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term? 20

मानव अधिकार बनाम जीव अधिकार पर बहस 1950 दशक से ही चर्चा में रही है यह समस्या भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ी आवारा कुत्ते व उससे बच्चों, वृद्धों की सुरक्षा में उत्पन्न खतरों से भी मेल खाती है।

हितधारक
- पीड़ित नागरिक
- कुत्ते
- सम्पूर्ण राष्ट्र / सुरक्षा वातावरण
- नगर निगम भी।
- दो दृष्टिकोण
  - जानवर अधिकार
  - मानव अधिकार

(B) नैतिक दुविधाएँ

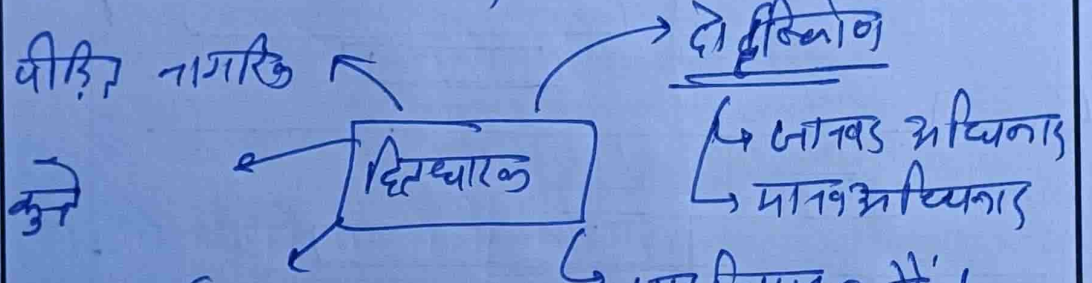

(i) मानवाधिकार (सुरक्षित आवागमन, राज्य द्वारा सुरक्षा का संवैधानिक दायित्व) बनाम पशु अधिकार (प्रकृति में समान अधिकार, करुणा) आदि में द्वंद्व।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) सुमेध वर्मा की सुरक्षा के साथ आवारा कुत्तों के प्रति अमानवीय दुर्व्यवहार का द्वंद्व।

(iii) कुत्तों को रीलोकेट करना → उनके कानूनी अधिकार के विरुद्ध।

(iv) कुत्तों पर कार्रवाई न होने से - सुमेध वर्मा को खतरा।

(v) कुत्तों द्वारा निर्मित असुरक्षित वातावरण तथा मेरा नैतिक दायित्व।

(B) पात्विका तरफीय: मूल्यांकन

(1) प्रथम पात्विका को प्राथमिकता

तब → पशु अधिकारों की अवहेलना
↳ इससे पशु द्वारा मुकदमा / नगर निगम पर कानूनी कार्रवाई की संभावना।
↳ इससे पक्ष द्वारा विरोध की संभावना
↳ कुत्तों को नयी जगह लेजाना, खाना, सुरक्षा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतिरिक्त मुद्दा।
↳ ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक संसाधन की उपलब्धता।

(b) दूसरी भागीदारी की तस्वीरें

तब → लोगों की सुरक्षा की मजबूती होगी।
↳ सुरक्षित आवागमन व वातावरण निर्मित करने में चुनौतियाँ

(c) इस स्थिति में मेरी कार्रवाई

तात्कालिक (i) दोनो पक्षों से बातचीत से समझना

(ii) तथा मध्यस्थता व कुछ बेहतर पर विचार
↳ अपने सहयोगियों, वरिष्ठों से
↳ DM, ADM तथा पुलिस अधिकारियों से चर्चा।
↳ स्थानीय पार्षदों, विधायकों से इस बारे चर्चा तथा समस्या के व्यापक पहलुओं को समझना

दीर्घकालिक → कुत्तों के लिए घर के बाहर जोड़
'कुत्ताशाला निर्माण'।

→ NGOs जो कुत्तों को पालते हैं - संपर्क

→ जो लोग गोद लेने के इच्छुक → संपर्क।

→ दीर्घकालिक योजना जिसमें

→ मानसिक बीमार, पागल कुत्तों का इलाज व कुत्ताशाला योजना।

→ अच्छी प्रजाति के कुत्तों को गोद लेने के इच्छुक को दूंगा।

→ घायल, बीमार कुत्तों का इलाज (NGOs व सरकारी पशु अस्पतालों से)

→ अन्य और कुत्तों का व्यापक नसबंदी प्रोग्राम

→ एक विशेष सीमा तक कुत्तों को रहने देना

क्योंकि → शहरी सुरक्षा में इनका महत्व

→ चूहों की आबादी कम करने में सहायक

→ गंदगी (मांस, बचा खाना) के निपटान में सहायक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठों अधिकारीयों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।

(d) औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

(a) Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.

(b) What options do you have in the given situation?

(c) Analyse the merits and demerits of each of these options.

(d) Discuss your course of action, with proper justification. 20

यह मामला मेरी ईमानदारी, दृढ़ता, निर्णय निर्माण कौशल, पेशेवर समझ, दबाव झेलने की क्षमता तथा दूरदर्शिता व वैधिक पहलुओं से निपटने की वैसी ही परीक्षा ले रहा है जैसा की 'रेड' फिल्म की नायक की ली गयी थी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितधारक
- इंजीनियर तथा ब्यूरो में मिले अधिकारी व नेता।
- मैं, मेरा परिवार।
- मेरे सहयोगी, भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले इंजीनियर।
- सम्पूर्ण भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो।

शामिल मुद्दे

(i) भ्रष्टाचार में संलिप्तता तथा क्रोनी कैपिटलिज्म का मामला।

(ii) विभिन्न कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन
यथा भ्रष्टाचार निवारण (2018), FBMP-1999
PMLA 2000 इत्यादि।

(iii) भ्रष्टाचार में 'ब्यूरो' के अधिकारियों की संलिप्तता।

(iv) इंजीनियर द्वारा राजनीतिक धन (जन्म देकर) का दुरुपयोग (जनाब निर्माण) –

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b c) उपलब्ध विकल्प व गुण दोष

① जाँच बंद कर दूँ

गुण	दोष
① मोटा आय द्वार समाप्त होगा।	① मेरी ईमानदार अंतरात्मा व दृष्टि के विरुद्ध।
② मेरी कार्यवाही SOP के तहत नहीं थी - मामला न्यायालय में नहीं टिकेगा	② भ्रष्टाचार छूटे पर उन बेनाम शिकायतकर्ताओं का भरोसा समाप्त हो जाएगा
③ मेरे ऊपर लगे भ्रष्टाचार के झूठे आरोप खत्म होंगे	③ मेरे पेशेवर नैतिकता तथा 'जनता के धन' का दुरुपयोग होगा

② मैं भी भ्रष्टाचार में शामिल हो जाऊँ

गुण	दोष
① भारी धन मिलेगा ⇓ अच्छा जीवन।	① भ्रष्टाचार में भविष्य में पकड़े जाने की संभावना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② तमाम समस्याओं से मुक्ति → सबूतों के कर्मियों से सहयोग मिलेगा।

③ सम्पूर्ण डिपार्टमेंट भ्रष्टाचार में लिप्त अकेले लड़ना संभव नहीं

② अंतरात्मा के विरुद्ध

③ नैतिकता की (स्वधर्म भगवान)

गांधी जी के कर्म बिना धन पाप है के विचार के विरुद्ध।

④ विभिन्न कानूनों, सेवा संहिता का उल्लंघन

मेरी कार्यवाही

मेरा पक्ष

→ मैं सत्यनिष्ठ व ईमानदार हूँ → अंत में जीत सत्य की ही होगी (गांधी जी)

↳ भ्रष्टाचार के आरोप गलत।

↓ SOP फॉलो न करने के बावजूद - इंजीनियर के पास भ्रष्टाचार के अपर्याप्त प्रमाण बताना।

मेरी कार्यवाही व औचित्य

↳ ① CBI, ED या संबंधित न्यायालय में प्रक्रियानुसार कार्यवाही को प्रारंभ

कार्यवाही
↳ सबूतों को व्यापक रूप से प्रकाशित कर पर्दा उठाऊँगा
↳ अपने कार्यालय के ईमानदार लोगों से सहयोग लूंगा।
↳ मामले संबंधी रिपोर्ट
↳ CBI कार्यालय, PMO, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा ED कार्यालय पर भेजूंगा।
↳ भ्रष्टाचार के झूठे आरोपों का सामना करूँगा
↳ SOP का पालन न करने की विभागीय कार्रवाई का पूर्ण ईमानदारी से सामना करूंगा व दी गयी सजा को मानूंगा।

समग्रता व्यापक हित व सर्वजनहिताय हित देश के नागरिक व भ्रष्टाचार मुक्त भारत के संकल्प पर आगे बढ़ूंगा।

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आई, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

(a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

(a) What are ethical issues involved in this situation?

(b) What are the options available to you as the Chief Secretary?

(c) Which option would you choose and why? 20

यह केस स्टडी प्रशासनिक अधिकारियों के नैतिक संहिता के अनुपालन तथा व्यक्तिगत नैतिक दायित्वों से जुड़ी है।

शामिल हितधारक

- दोनों अधिकारी।
- सम्पूर्ण प्रशासन (राज्य व केन्द्र)
- प्रशासन की कार्यप्रणाली।
- प्रशासन की सार्वजनिक छवि।
- जनता का भरोसा

शामिल नैतिक मुद्दे

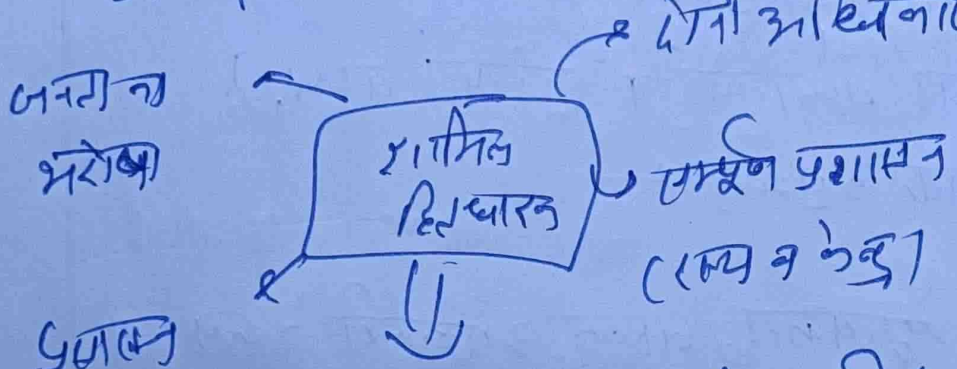

(1) ऐसे झगड़े से जनता का अधिकारियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2088
VISION IAS™

व प्रशासन पर भरोसा कम होता है।

(2) निजता का उल्लंघन – दोनों अधिकारियों द्वारा
↓
संविधान का अनु० 21)

(3) अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता (अनु० 19) का अनैतिक प्रयोग।

(4) SOP व नैतिक संहिता, आचरण संहिता का उल्लंघन।

(5) प्रशासनिक कार्यप्रणाली में आपसी व्यवहार तथा कर्मियों व यूनियनों का पड़ा नकारात्मक प्रभाव।

(6) एक नेतृत्वकर्ता, वरिष्ठ अधिकारी के रूप ऐसे कार्य ⇒ सम्पूर्ण प्रशासन की छवि धूमिल।

सचिव के रूप में मेरे पास विकल्प

(1) दोनों अधिकारियों को नजर हिदायत देना छोड़ना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ दोनों का सस्पेंड करना।
④ दोनों पर विभागीय जाँच प्रारंभ करना

मेरी कार्यवाही

① दोनों अधिकारियों को सख्त निर्देश
↳ सोशल मीडिया पर आरोप प्रत्यारोप तत्काल बंद हो।
↳ अपनी सेवा संहिता व SOP की
दायरे में रहे।

② समाचार पत्रों व मीडिया से अनुरोध
की अधिकारियों की छवि धूमिल
न करें।

③ एक समिति जाँच समिति का गठन
↳ जो + पूरे मामले की निष्पक्ष
जाँच करे।
↳ आरोपों तथा A, व B द्वारा बताए
तथ्यों की गहन

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पड़ताल हो।
↳ रिपोर्ट से जो निष्कर्ष प्राप्त होंगे में उनके आधार पर

कानूनी | विभागीय | अनुशासनात्मक कार्यवाई करेंगे।

वस्तुतः उपरोक्त अधिकारियों को ऐसी घटनाओं से बचने का प्रशिक्षण देंगे। तथा उच्च स्तर पर ईमानदार व्यक्तिगत, बाद विवादों के आपसी समाधान का पैनल अधिकारियों को प्रदान किया जा सकता।